

R. 233-2/2005 देवता

23.9.2016

आवेदकगण की ओर से सूचना
उपरोक्त कोई भी उपाख्यत नहीं। तीन
बार फुकर लगाई गई, फिर भी कोई उपाख्यत
नहीं। अतः प्रकृत आत्म पैवी में निरस्त
क्रिया जाता है।

Om

Om
अध्यक्ष

Om
23.9

DD